



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 31, 1981 (कार्तिक 9, 1903)

No] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 31, 1981 (KARTIKA 9, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. ए. 38013/1/81-प्रशा. III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. शा. सं. 33/12/73-स्था. (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के स्थायी अनुभाग अधिकारी

तथा स्थानापन्न डेस्क अधिकारी श्री आर्क्ष. जे. शर्मा को 30 सितम्बर 1981 के अपराह्न में निवर्तन आयु की प्राप्ति पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की राष्ट्रपति द्वारा सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

म. रा. गांधी,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक

1981

सं० के०-13/71/प्रशा०-5—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, तद्वारा निम्नलिखित अधिकारी को दिनांक 20-10-1977 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पद-स्थापन का वर्तमान स्थान	पद जिस पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वह से स्थाई है।
1.	श्री करतार सिंह	सामान्य अपराध स्कंध, दिल्ली	निरीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. ए-35018/15/79-प्रशा. -1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री देबी प्रसाद राय, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 1 सितंबर 1981 के पूर्वहन से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग के सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की. ला. श्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशक का कार्यालय
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. ओ. दो-1602/81-स्थापना—राष्ट्रपति डा. नरेन्द्र कुमार को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-1। (डी. एस.

पी./कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 14 सितम्बर 1981 के पूर्वहन से डाक्टररी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. ई.-38013(4)/16/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, के. आ. सु. ब. में निरीक्षक आर. एस. श्रीवास्तव को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट, उनके उक्त पद का कार्यभार संभालने की तारीख से, नियुक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थायी है तथा बिना नोटिस के समाप्त की जा सकती है।

सुरेन्द्र नाथ,
महानिदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 30 सितम्बर 1981

क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/81—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-4-1981 एवं 24-5-1981 के अनुक्रम में निम्नलिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथि तक उन्हीं शर्तों एवं निबन्धनों पर बढ़ाई जाती है।

क्रमांक	नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	दिनांक जब तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
सर्वश्री			
1. वी० वेंकट रमणी		तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)	31-12-81
2. आर० सी० अग्रवाल		—यथा—	31-12-81
3. अशोक जोशी		—यथा—	31-12-81
4. ए० डी० वेशपांडे		—यथा—	31-12-81

मु० वं० चार,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 अक्टूबर 1981
सं. वा. ले. प. 1/323-69—महालेखाकार, कर्नाटक,

बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत श्री ए. एन. प्रभुशमाप्पा, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1980 (अपराहन) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

दिनांक 6 अक्टूबर 1981

सं० वा० ले० प०/112-80—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) नीचे कालम 3 में लिखित कार्यालय के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) जो वर्तमान में नीचे कालम 4 में लिखित संगठनों में बाह्य सेवा पर प्रतिनियुक्ति पर

हैं, को 'तत् निम्न नियम' के अन्तर्गत स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में आगे आदेश दिये जाने तक नीचे कालम 5 में लिखित तारीख से नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	किस कार्यालय का है	कार्यालय जहाँ प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है	पदोन्नति की तारीख
1. श्री जे० जगप्पा	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद	अंडमान एवं निकोबार प्रशासन	31-10-80	
2. श्री एस० के० गुप्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली	इण्डिया इन्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड	31-10-80	
3. श्री एस० आर० दास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	कलकत्ता मेट्रोपालिस डवलपमेंट अथॉरिटी	1-4-81	

एम० ए० सोमेश्वर राव,
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर
श्रीनगर, दिनांक 7 अक्टूबर 1981

सं. प्रशा. 1/60 (88)/81-82/4138-45—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर श्री नगर ने इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम. एल. बट्ट को 6-10-1981 (पूर्वाह्न) से रु. 840-40-1000-द. रो.-40-1200 के वर्तमान में स्थानापन्न ह्रासित से लेखा प्राधिकारी के रूप में पदानुत्त किया है।

ह. प्र. दास,
(प्र. एवं प्राधि) उपमहालेखाकार

उद्योग मंत्रालय

(आर्थिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. 12/165/61-प्रशासन (राज.)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक आर्थिक डिजाइनर श्री सी. आर. पकराशी को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 अगस्त, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं. ए-19018/221/75-प्रशा. (राज.)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एस. सी. कुमार, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) को इसी कार्यालय में दिनांक 11 सितंबर 1981 (पूर्वाह्न) से उप निदेशक (कांच/मृत्तिका) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय
उप निदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितंबर 1981

सं. 3/1/80-एस-तीन-खण्ड-एक—श्री आर. सी. अग्रवाल, वरिष्ठ इजीनियरी सहायक, ने अपनी पदोन्नति होने पर वरु-वर्धन केन्द्र, श्रीनगर में सहायक इजीनियर के पद का कार्यभार अस्थायी क्षमता में 2-7-81 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 25 सितंबर 1981

सं. 10/22/79-एस-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम. मथार्, वरिष्ठ इजीनियरी सहायक (उनके मंत्रिमंडल सचिवालय से परावर्तन पर, जहाँ वे प्रतिनियुक्ति पर थे) को आकाशवाणी के सहायक इजीनियर के सर्वग म स्थानापन्न क्षमता में पदोन्नत करते हैं और उनको 4-8-1981 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में तैनात करते हैं।

एच. एन. विश्वास
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितंबर 1981

सं. ए. 12026/2/80-(एच. क्यू.) प्रशासन-1—राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय के श्री सी डबलराल, उपनिदेशक (पुस्तकालय) और श्री ए. जी. पाटिल, अपर उप सहायक निदेशक (पुस्त.) को क्रमशः अपर उप सहायक निदेशक (पुस्त.) और पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 के पद पर 27 अगस्त, 1981 पूर्वाह्न से परावर्तित (रिवर्ट) कर दिया गया है।

दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/13/80-(एन टी आई) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम. वेंकट रेड्डी को राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलूर में पूर्णतया अस्थायी रूप से 5 सितंबर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कनिष्ठ जीवाणु विज्ञानी (बैक्टीरियोलॉजिस्ट) के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन (ओ एंड एम.)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितंबर 1981

सं. ए. 19018/21/81-के.स.स्वा.यो.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. (कुमारी) पूर्णिमा साधू को 2 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्यो-

पीथिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1981

शुद्धि पत्र

सं. ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो. 1—इस निदेशालय की दिनांक 6 मार्च 1981 की अधिसूचना संख्या ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो. -1 में "डा. (कुमारी) रविंद्रा टंडन काथि" नाम के स्थान पर "डा. (कुमारी) रविन्द्रा दीनानाथ टंडन" पढ़ें।

सं. ए. 19018/21/81-के. स. स्वा. यो. -1—रवास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. सामन्त राय सेरिन् को 10 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपीथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. एस. राव
उप निदेशक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सं. 6-42/80-ओ. नि.—राष्ट्रपति ने डा. एस. के. राय को 17 अप्रैल, 1980 से केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता में निदेशक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 30 सितंबर 1981

सं. 19025/19/81-प्र. 111—श्रीमती सुरेन्द्र कौर, वरिष्ठ निरीक्षक (वर्ग-1) को इस निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में दिनांक 11-9-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 13 अक्टूबर 1981

सं. ए. 19025/54/81-प्र. तू. 1—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भीमसेनाचार्य पुरोहित को इस निदेशालय के अधीन दिनांक 24-9-81 (पूर्वा.) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार,
प्रशासन निदेशक
कृते कृषि विपणन सलाहकार
भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 18 सितंबर 1981

सं. पीए/76 (3)/80 आर 111 (1)—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र संयुक्त नियंत्रक, रक्षा लेखा कार्यालय सिकन्दराबाद के स्थायी अनुभाग अधिकारी (अ) श्री कृष्णमूर्ति विश्वनाथन को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-880 द. रो.

40-960 के बेटन क्रम में, प्रतिनियुक्ति पर 10 सितम्बर, 1981 पूर्वाह्न से 9 सितम्बर 1982 अपराह्न तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 सितंबर 1981

शुद्धि-पत्र

सं. पीए/79(11)/79 आर 111—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में श्री करतार सिंह गोपाल वासवानी की 1 जून 1981 से अग्रिम आदेशों तक सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति के संबंध में दिनांक 11 जून 1981 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक संशोधन के अनुसार उनका कुलनाम 'वासवानी' पढ़ा जाय।

दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. पीए/34 (2)/80 आर 111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री स्टैनले वत्सलन को इस अनुसंधान में 23 सितंबर 1981 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पीए/34 (2)/80 आर 11—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र प्रिफ्री, तारापुर के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी बसवन्तैया शिवलिंगैया हुलि-गोरिमठ को बम्बई स्थित इस अनुसंधान केन्द्र में 28 सितंबर 1981 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मंनोन,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई 400085, दिनांक 23 सितंबर 1981

सं. 5/1/81-स्थापना 11/3881—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री वी. आर. शिवले, सहायक सुरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी पद पर 4-6-1981 (पूर्वाह्न) से 4-7-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ओम प्रकाश बन्ना,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा-202389, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

क्र. न. प. वि. प./प्रशा/26(1)/81/एस/11808—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरौरा, के मुख्य परियोजना अभियन्ता वि.प्रा.अ.प्र. के अर्धस्थायी नवज्ञानवीस 'बी' तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी., श्री एस. के. रस्तोगी को दिनांक सितम्बर 5, 1981 से अग्रिम आदेशों तक के लिए, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी. के पद पर नियुक्त करते हैं।

अ. वं. भाटिया
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय एवं भंडार निदेशालय

(परमाणु खनिज प्रभाग)

बम्बई 400001, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

हैदराबाद-50016, दिनांक 10 सितम्बर 1981

सं. नि/23/9/77-स्थापना/19257—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री पी. एम. राव लेखा-अधिकारी ।। की छुट्टी मंजूर होने और स्थान्तरण पर श्री बाबूलाल मोहन लाल गनातरा सहायक लेखा अधिकारी को दिनांक 11-5-1981 से दिनांक 14-9-1981 तक के लिए इसी निदेशालय में रुपये 840-40-1000-ईबी-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी ।। नियुक्त किया गया है।

के. पी. जोसेफ
प्रशासन अधिकारी

सं. प.ख.प्र.-1/1/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री इसराइल हुसैन इसराइली को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

एम. एस. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना
दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. रापविप/भर्ती/9 (9)81/स्थ/12—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, राजस्थान परमाणु बिजली घर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री आर. सी. शाह को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 20-9-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी तौर से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम. डी. गाडगील
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
वास्तु मुख्य परियोजना इंजीनियर

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. 05012/भ5/स्था.प/5739—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कडमत्तू पच्चुपिल्लई राधा-कृष्णन, अस्थायी सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी कार्यालय में जलाई, 1 (पूर्व.), 1981 से अगस्त (अपरा.) 1981 तक के लिए श्री टी. बी. स्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, जो अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित हो गए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. च. कोटिअनकर
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/80-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिये अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, दिल्ली में तैनात किया गया है।

क्रम सं०	नाम	तारीख
1. श्री के० एन० मेहता		20-8-81
2. श्री बलवन्त राय		20-8-81

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

सीमाशुल्क/स्थापना

दिनांक 5 अगस्त 1981

मद्रास-1, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं. 9/81—श्री एम. पाक्कीयम को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 3-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परीक्षाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 21 जुलाई 1981

सं. 11/81—श्रीमती एत्सी तामस को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 15-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परीक्षाधीन काल में रहेंगे।

सं. 12/81—श्री जी. कल्याण रामन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 27-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परीक्षाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 26 अगस्त 1981

सीमाशुल्क/सिद्धान्दी

सं. 13/81—सर्वश्री एल. बी. मनेसस, टि. आर. गाविन्दराजन और ए. वासुदेवन को 13-7-81 के पूर्वाह्न मद्रास सीमाशुल्क घर में सीमाशुल्क अध्यक्ष (निवारक) के पद पर नियमित रूप से पदोन्नत किया जाता है।

ए. सी. सखवाना,
सीमाशुल्क समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सं० ए० 19012/533/75-स्थापना-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) के ग्रेड में, पूर्णरूप से अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में छः माह की अवधि के लिये या पवों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, को उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीख से स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु एतद्वारा नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम व पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	जहां पदस्थापित है
1	2	3	4
1.	सर्वश्री सी० के० एम० नाम्बियार, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० सी० डी०-1 निदेशालय
2.	„ एन० एल० वघेला, पर्यवेक्षक	10-9-81 (पूर्वाह्न)	जे० डी०—दो निदेशालय
3.	„ मदनगोपाल अरोड़ा, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	टी० डी० निदेशालय
4.	„ ए० बी० थामिया, पर्यवेक्षक	24-8-81 (पूर्वाह्न)	सी० एस० एम० आर०. एस०
5.	„ बी० बी० माथुर, पर्यवेक्षक	27-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० ई० निदेशालय
6.	„ एस० सी० चोपड़ा, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्न)	पी० एण्ड आई० संगठन
7.	„ जी० के० स्वामी, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्न)	रिजर्वीयर मेडिमेंटेशन

ए० भट्टाचार्य, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. ए-19012/1(5)/81-स्थापना एक—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी. के. गुप्ता, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हार्डवेयर) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 7-9-81 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर छः माह की अवधि के लिए अथवा इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

के. एन. भण्डूला, अवर सचिव

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बन्दना पिचर्स लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1270—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स बन्दना पिचर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बन्सीका इंजीनियरिंग एण्ड कौन्सिल इन्डस्ट्रीज प्रा. लि. के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1370—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स बन्सीका इंजीनियरिंग एण्ड कौन्सिल इन्डस्ट्रीज लि. का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अलंकार सेविंग्स एण्ड जनरल फार्ननेस प्रा. लि. के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1497—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स अलंकार सेविंग्स एण्ड जनरल फार्ननेस प्रा. लि. का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स शीतल फार्ननेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1643—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि मैसर्स शीतल फार्मिनेन्स प्राइवेट लि. का नाम उक्त रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स कीवी शोल्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1730—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स कीवी शोल्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम उक्त रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस. पी. दीक्षित
कम्पनियों का रजिस्टर
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं जमशेव वाच्छा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 618/4627/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जमशेव वाच्छा प्राइवेट लिमिटेड का नाम उक्त रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं यूनियवर्सल नट्स

एण्ड बोल्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 15458/560/(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यूनियवर्सल नट्स एण्ड बोल्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं एस. एन. के. ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 619/19349/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस. एन. के. ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं असिब रिसर्च लोबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 620/19454/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि असिब रिसर्च लोबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

द्वारा सूचना दी जाती है कि असिब रिसर्च लोबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिटा केम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 617/1214/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बिटा केम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मॅन्सफोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 470/13758/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मॅन्सफोल्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं स्वास्तिक प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 15302/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्वास्तिक प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं शामरोक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 469/5472/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि शामरोक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2927, --छूटिक मैं आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-258, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री प्रदीप कुमार खोसला सुपुत्र वि. आर. खोसला (धिया सागर खोसला) 115/6, अर्निवालास स्ट्रीट, कलकत्ता-4,

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी कान्त सोनी, श्री सुरेश कान्त सोनी सुपुत्र स्वर्गीय श्री एम. के. सोनी, 712-बाबा सड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं. ई-258, क्षेत्रफल 213 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वि. जे. एफ. कुलन्दे, 3-माधना. इनक्लेव, नई दिल्ली (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुभा लक्ष्मी खान, सी-38, पंचशीला इनक्लेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन 1/एस-आर-3/2-81/2838,---चूंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं. 3, है एवं जो साधना इनक्लेव, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

2-306GI/81

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 3 साधना इनक्लेव, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारीनिरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रंज-1, नई दिल्लीतारीख : 1-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2831, —चूंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 3, ब्लॉक नं. 'एन' है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सचनन अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हुरी लाल गोवरधन सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम प्रसाद, गोवरधन, सी-15, चीराग इनक्लेव, नई दिल्ली कवारा अटनी श्रीमती उषा गोवरधन, (अन्तरक)

(2) श्री अरुण मितल सुपुत्र श्री वि. बी. मितल, ए-3, ग्रेटर कैलाश इनक्लेव-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3-, ब्लॉक नं. 'एन' 309 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
 मोहुरा

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संवर्ध 3 नि. म. आ. आ /एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2902--चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या एस-296 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत किये गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री ए. एस. रघुनाथन, संपूत्र स्वर्गीय श्री ए. एस. यंगर, बी/5/133, सफ दरजंग इनकलेव, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री अमर नाथ कौन्थ ई-128, ग्राम माहमवपुर, नियर आर. के. पुरम, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. एस-296, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2898—चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या ई-469, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्वर्णा सोहगल और श्रीमती संगीता शोपडा, जी-289 डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा. राज कुमार डोग्रा और मि प्रकाश डोग्रा जी-51, मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्लेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. ई-469, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
मोहर

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2877—चूंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-18, है एवं जो निजामूखीन वेस्ट, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिनियम के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य 1 उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उपाय करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री प्रेम पटनायक सुपुत्र बी. पटनायक नं. 2, सेन्ट्रल एक्ज्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री अमर अली, हसम अली, सुपुत्र हसमत अली और नसीर अली (माइनर) द्वारा उसके पिता, हसमत अली, 1335, कालन महल, दरिया गंज, नई दिल्ली (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में प किमो व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकेत नं. सी-18, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज, निजामूखीन वेस्ट, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2887--चूक मी, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संस्था डी-168, है एच जो डीफेंस कालोनी, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण सहित किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:

(1) श्रीमती शिला सिंह पत्नी स्वर्गीय ठाकुर भागीरथ सिंह डी-168, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती मुक्ति राय पत्नी श्री अमल कुमार राय और श्री अमल कुमार राय सुपुत्र स्वर्गीय श्री ललीत कुमार राय, सी-162, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सन्दर्भ :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. डी.-168, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, क्षेत्र-फल-325 वर्ग गज,

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन 1/एस-आर-3/2-81/2928—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-68, है एवं जो एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पूष्पा सेठी पत्नी श्री एम्. पी. सेठी, 28, लखनऊ रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वेद कौर पत्नी सरदार सजन सिंह, ई-28-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-68, एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली, 250 वर्ग गज,

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2830---चूँकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-13, है एवं जो मंग फेयर गाडन, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वां के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:-

- (4) श्रीमती आशा भवनानी पत्नी श्री हिरा लाल भवनानी, द्वारा अर्जनी मि. बाबल सुपुत्र श्री एच. उत्तम, बी/2/3, सफदरजंग इनक्लेव नई दिल्ली (अन्तरक)

- (2) श्री महतानी मांहुनी ठाकुर दास और मि. महतानी ठाकुरदास सुपुत्र श्री नारायण दास, बी-60, मंग-फेयर गाडन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. बी.-13, मंगफेयर गाडन, नई दिल्ली, कमपा-लिटन को-ओपहाउसिंग सोसाइटी लि. नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सदर्थ सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन 2/एस
81/2892—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-42, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी से नई दिल्ली स्थित कार्या-
लय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

3-306GI/81

(1) श्री गुरविन्दर सिंह खुराना, ई-118, इस्ट ऑफ
कैलाश, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं आवेद भाई एण्ड कं. प्रा. लि. एस-42, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. एस.-42, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली क्षेत्रफल
300 वर्ग गज-

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्ररूप माह. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269ब(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2897—चूंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या बी-1/12, है एवं जो बसन्त विहार, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम पतित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से तबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशस्तः—

- (1) श्री चन्द्र भूषण, 26 शिव तिर्थ-1, भूला भाई देशाई रोड, बम्बे-26 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शोल जैन, 2600, छाटा प्रताप सिंह किनारी बाजार, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पास भिन्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. बी-1/12, बसन्त विहार, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली-110001

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 1/एस-आर-3/2-
81/2910—चूकि मैं, आर. बी. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या ई-83, है एव जो एन. डी. एस. ई.
भाग-1, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) कि पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16वा) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) डा. एस. डी. वर्मा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हेमराज
वर्मा ई-83, न्यू दिल्ली साउथ एक्स. भाग-2, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री तुफल अहमद सुपुत्र श्री अबदुल लतीफ और
मोहमद इकबाल अहमद, सुपुत्र तुफल अहमद मकान
नं. 3189 कूचा पंडीत लाल कूचा, दिल्ली

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. ई-83, एरीया 200 वर्ग गज, नई दिल्ली साउथ
एक्स. भाग-1, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख 1-10-1981

मोहर

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2912—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-221, है एवं जो डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वर्गीय करनल सीता राम आनन्द सुपुत्र श्री उत्तम आनन्द, 109, चिक्टोरीया रोड, जबल पुर, द्वारा जी/ए एयर कंडर ए. आर. आनन्द (अन्तरक)

(2) डा. सुरेश महाजन, सुपुत्र डा. एम. आर. महाजन, 15571 सेवेन पिन्स एवन्स, यू. एस. ए. द्वारा श्रीमती स्वरन लता गुप्ता जी/ए, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. डी-221, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2821—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ई-252, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पवन कुमार चन्दोक सुपुत्र श्री जे. आर. चन्दोक, ई-116, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री राधा कृशन गुप्ता सुपुत्र लाला रघुबर दयाल गुप्ता श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी राधा कृशन गुप्ता, ई-252 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकेत नं. ई-252, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, 211 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख 31-10-1981
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2840—चौकि मी, आर. बी. एल. अग्रवाल, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-39, है एवं जो कालीन्दी कालोनी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तारा चन्द सुपुत्र रामा नन्द, 13-म्युनिसीपल कमला नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश अग्रवाल सुपुत्र श्री दलीप सिंह अग्रवाल और स्नेह अग्रवाल पत्नी श्री सुरेश अग्रवाल 678/1, बिमला भवन, काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

प्लॉट नं. ई-39, कालीन्दी कालोनी, 418 वर्ग गज, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख 1-10-1981

सहस्र :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती दया वन्ती, मिस संजीवनी (माइनर) 704-707, चांदी महल, बरीया गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै. सरस्वती विल्डर्स फेस-2, नई दिल्ली जी-1/16, बरीया गंज, दिल्ली, द्वारा श्री सतीश सेठ, (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2843—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. है अधिक है।

और जिसकी संख्या डी-34, है एवं जो एन. डी. एस. ई. भाग-2, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. पी/34, एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981
माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै. रेलीयस इन्डिया लि. अटर्नि श्री अमर नाथ
पियारलाल, नं. 13, जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन,
इस्ट, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै. राजीव मोटर्स प्रा. लि. 11/90, कनांट
सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-
81/2911—चूंकि मै. आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 11/90, है एवं जो कनांट सर्कस, में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षात्म में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्रो. नं. 11/90, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल

सहाय प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

तारीख : 1-10-1981

मोहर :

प्राकृत्य प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1188/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है.

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 326, सेक्टर नं. 22 है। तथा
जो गांधी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 26-2-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में होने करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री लाल भाई सन् भाई पटेल और मधुबेन लाल
भाई पटेल, सेक्टर नं. 22, गांधीनगर।
(अन्तरक)

(2) श्री आर. ज. पटेल 1, सेक्टर नं. 22, प्लॉट नं.
326, गांधीनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्तासरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

प्रसूची

जमीन और मकान प्लॉट नं. 326, सेक्टर नं. 22 जो गांधी-
नगर टाउनशिप में स्थित है और जो बिक्रीखत नं. 309 पर
संपूर्ण वर्णन पर गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख
26-2-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
4-306GI/81

जी. सी. गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख . 5-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. पि आर नं. 1189/एकवी-23-11/81-82
---अन. मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी स. ब्लाक नं. ए-4/6, "बि. आई. डि. सि.
लिमिटेड एस्टेट है तथा जो गोरवा, बरोडा में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री पटेल रमेशभाई मंगन भाई, विश्वास कालोमी,
अलतापुरी, बरोडा।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री पटेल जितेन्द्राकृष्ण मंगन भाई
2 पटेल बकूल दया भाई,
3 पटेल उर्वशी पारितोष, जूना पदरा रोड,
बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन और औद्योगिक शेड जो ब्लाक नं. ए-4/6 बी. ए.
डी. सी. लिमिटेड, एस्टेट गोरवा, बरोडा, में स्थित है
और जो विक्रीखन नं. 1210 पर संपूर्ण वर्णन पर तारीख
27-2-1981 में सब रजिस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्री
की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

मोहर
तारीख 6-10-1981

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नटवरलाल जेटालाल, * पूष्पाबेन नटवरलाल, नरसिंग शेरी, साग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निर्मलाबेन जयवदन, मैसर्स सि. बी. कन्स्ट्रक्शन कम्पनी का भागीदार नारसिंग शेरी, ससग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश न. पि. आर. न. 1190/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. नोड नं. 960, वाड नं. 2, तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संपूर्ण

मिलफत जो नोड नं. 960, वाड नं. 2, सूरत अध्याधिकार
तारीख 2-2-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

मोहर :

तारीख : 6-10-1981

प्ररूप आई० डी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देशनं. पी. आर. नं. 1191/एचवी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये में अधिक हैऔर जिसकी सं. एस. नं. 110, प्लॉट नं. 11-ए-(पीकी)
है। तथा जो वाड नं. 13-सी, नोड नं. 450, सी. एस. नं.
11-ए मजुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 2-2-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से
अधिक है और अन्तरण (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए;
प्रोग/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों धर्ता:—(1) श्री गणवन्तराय नानू भाई देशाई, नवचेतन सोसा-
यटी, मजुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री पन्कजकुमार हुसमुखलाल कापाडिया, माधन
सोसायटी बराछा रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।स्वशाहरण:—हमने प्रमुख अवधों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी
अर्थ होता, जो उन अवधों में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो मजुरा एस. नं. 110, प्लॉट नं. 110-ए (पी),
वाड नं. 13-सी, नोड नं. 450, नयी सी. ए. नं. 20 (पी)
प्लॉट नं. 11-ए, सूरत, यथाविधि तारीख 2-2-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबादमोहर :
तारीख : 6-10-1981

प्ररूप धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1192/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गणन योग्यता को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 214-ए-बी, कराची शेरी है तथा जो
नानपुरा, सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 12-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
होता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

(1) श्रीमती बाई गंगा छांटालाल, कराचीशेरी, नान-
पुरा, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमलाबेन विजयखानदास जारुवाला, सोल
प्रो. उपासना कोरपोरेशन, 5, भुला-बिल्डिंग,
दूसरा मंजिल, कान पिथ, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिस्तक्षरी के
पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 214-ए-बी, साद्री शेरी, नानपुरा, सुरत
यथाविधि तारीख 12-2-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्नालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश न. पी. आर. न. 1193/एकवी-23-11/81-82
 --अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है -
 और जिसकी सं. नो. नं. 328, एम. नं. 42 (पी) है तथा जो
 नर्मदानगर प्लॉट नं. 57, अतवा, सूरत में स्थित है (और इससे
 उपाब्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पम्बू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
 (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 नं. 1, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

(1) श्री कानचनलाल छगनलाल लिमडी, मालवीबेन
 कानचनलाल लिमडी, नरमदानगर, अतवा लैन्स
 सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्रा ताकोर भाई देशाई, भारतीबेन भूपेन्द्रा
 देशाई, नगरवड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मिलकत ओ वाड नं. 13, नोद नं. 328, एस. नं. 42
 (पी) नर्मदानगर, प्लॉट नं. 57, नया सी. एस. नं. 1726,
 अतवा, सूरत यथाविधि तारीख 13-2-1981 में रजिस्ट्री की
 गयी है।

जी. सी. गर्ग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1194/एक्यू-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोदन, 4528-बी., वाड नं. 4, है तथा जो
बेगमपुरा, सूरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमति सामीबेन, केवल राम कसनदास की विधवा,
नर्मदाबेन, केवलराम कसनदास की पुत्री,
केशवलाल केवल राम
नटवरलाल केवलराम
जीतुभाई केवलराम
नविनीतलाल केवलराम
रक्षकनी और कटुबा की कर्ता।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती भानुमती जगमोहनदास, मुनिमिपल टोना-
मेंटम, किनरी सिनोमा के सामने, रिग रो,
सूरत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोदन नं. 4528-बी., वाड नं. 4, बेगमपुरा,
काबेर सिंह शंरी, सूरत यथाविधि तारीख 10-2-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 6-10-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि. 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश न. पी आर. नं. 1195/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 3024, वाड नं. 7, सयदपुरा है
तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय सुरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हासीम बेगजी दादा भाई, 7-3025, दादाभाई
विलडिंग सयदपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

(2) शैलेशकुमार नरोत्तम भाई पटेल 34, श्रीनीम-
केतन सोसायटी, कटगाम, सुरत।

2. जयेश बाबूभाई पटेल, 34 अलकापूरी
सोसायटी, सुमूल डैयरी, सुरत।

3. मणिबेन मागूभाई पटेल, अजाना।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 3024, वाड नं. 7, सयदपुरा, सुरत
यथाविधि फरवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि. 11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1196/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. नोट नं. 627, वार्ड नं. 9, वार्ड फलिया है
तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकल अधिकारी को कार्यालय सूरत
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में हमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-306GI/81

(1) श्री काशीराम शिवनाथ, वाडी फलिया, चकाबाला
शेरी, सूरत।

(अन्तरक)

(2) चन्द्राकान्त चूर्णिलाल गाडवी, किरपाराय मेहता
कानचू, गोपीपुरा, सूरत।

(2) कसुमबेन चन्द्राकान्त गाडवी, गोपीपुरा, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, प्रयोगकर्ता के पास लिखित
में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें एक गड़दी और पत्नी हैं, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं. 627, वार्ड नं. 9, वार्ड फलिया,
सूरत यथावधि तारीख 2-2-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
माहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1197/एक्सी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 78-बी है तथा जो मेसाब, चोरायासी,
सुरत में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री महेन्द्रा सिन्हा नारसिन्हा, (2) मणाबेन नार सिन्हा
गांव घुम बहला, तालूका चोरासी, सुरत।

(अन्तरिती)

(2) भागीदारों, दलित मोटोरस, उन पानी, लाल
दरवाजा, सुरत।

1. दलितराय गुलाब भाई देसाई, काटोदरा तालूक
रंज।

2. भासकभाई, नानूभाई देसाई, कटोदरा तालूक
कामरंज।

3. नीरन्जन नटवरलाल देसाई कटोदरा तालूक काम-
रंज।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गांव मेगाब, ता - चोरायासी, सुरत एस नं. 78-
बी, यथाविधि फेब्रुवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1198/एक्वी-23-11/81-82
—अत. मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. नोव नं. 832-बी, वार्ड नं. 3, है। तथा जो
सामपा बाजार, नवापरा, सुरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री सहिफी मसद अतारी पूना।

1. श्री सीराज मुसाड अतारी, सामपा बाजार,
सुरत।

2. श्री बोरा मुसाड अतारी, मोर लानड बांम्बे।

3. श्री काकरूवीन मुसाड अतारी, मोर लानड,
(अन्तरिती)(2) डा. नोमान तयैब भाई मासकटी, वारीया माहाल,
सुरत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्रत्येक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोव नं. 832-बी, वार्ड नं. 3, सामपा बाजार,
सुरत यथाविधि फरवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
मोहर :

प्रकृप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1199/एक्वी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नोंद नं. 2342, एफ. पी. नं. 241, है
तथा जो टी. पी. एस. 5, वार्ड नं. 13, सूरत में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-2-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री युसुफ हुसैनमहल वंद, सैयदपुरा, तुराव शोरी
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री भरतकुमार विठ्ठलभाई पटेल, नारायण एपार्ट-
मेंट को.-ओ.-है.-सोसाइटी, कैलाशनगर, गोद-
बोव रोड सूरत के द्वारा आई.-ई., मीरा एपार्टमेंट,
नानावत, पानडोल नी पोल, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं. 13, नोद नं. 2342, एफ. पी. नं.
241, टी. पी. एस. 5, सूरत यथाविधि तारीख 26-2-1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1200/एक्वी-23-11/81-82
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. आर.एस. नं. 660, सी.एस. नं. 1774 है तथा जो विश्वकुज को. ओप. सोसायटी लिमिटेड, कारेली-बाग, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन तब देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री मनुभाई रामकृष्ण भट्ट कारेली बाग, बड़ौदा।
(अन्तरक)

(2) श्री हितेन्द्र बिहारी लाल उपाध्याय
2. उमेश बिहारीलाल उपाध्याय 30, विश्वकुज को. ओप. सोसायटी कारेली बाग, बड़ौदा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो आर. एस. नं. 660, सी. एस. नं. 1774, से विश्वकुज सोसायटी लिमिटेड, कारेली बाग, बड़ौदा में स्थित है और बिक्री सत नं. 618 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय बड़ौदा में मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गई है, ये बिक्री सत में संपूर्णतः वर्णित हैं।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

मोहर :
तारीख : 6-10-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1201/एकवी-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बोर्ड नं. 1, नोद नं. 2165-ए और 2201-
(पी) का है तथा जो नानपुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है:—

(1) श्री करसी केशुसुर साहरे, कुमीसेन केरसी साहरे,
श्रीमती, फेरम्मीरा मगरबान नानपुरा, मकाईपूल
सुरत।

(अन्तरक)

(2) 1. चयेरमेन : बीपीनचंद्र धीरजलाल गोलवाला,
2. सेक्रेटरी : जयतिलाल विठलवास, यश एपाट-
मेट को. ओपे. हाउसिंग सोसायटी।

1. बरानपुरी भागल, सुरत,
2. गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्य
गया है।

अनुसूची

बोर्ड नं. 1/2165-ए और 2201-ए (पीकी) बानपुरा, सुरत
में स्थित मिल्कत, फरवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।
मोहर :

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर, 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1202/एक्यू-23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टाईप-ए, ब्लॉक-4, रोड नं. 3, प्लॉट नं.
7, है तथा जो उधना अद्योगनगर, उधना, सूरत में स्थित है
(और इसमें उपायध्व अनुमृषी में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) रेनुका सीलक मिल्स के हिस्सेदार उधना उद्योगनगर,
उधना।

1. शीरीषकुमार बाबूभाई गोलवाला,
2. जयश्री वीलीपकुमार गोलवाला, आर.बी. गोल-
वाला फेमली ट्रस्ट ट्रस्टी :
1. रजनीकान्त बाबूभाई गोलवाला
2. उर्माणा रजनीकान्त गोलवाला

(अन्तरक)

- (2) 1. अब्दुलगनी इस्माइल उगवाला
2. हाजराबाई मोहम्मद कामर,
3. इब्राहीम बानी मोहम्मद, चोक बाजार, सीधीवाड
सूरत।
4. श्री नूरमोहम्मद मियामोहम्मद भागा तलाब, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खण्ड नं. पर, टाईप-ए, ब्लॉक नं.-4, प्लॉट नं. 7 से
उधना उधनानगर, सूरत में स्थित मिल्कत, फरवरी 1981 में
रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-10-1981

मोहर :

प्रूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर, 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1204/एक्वी.-23-11/81-82
—अतः मुझे, 'जी. सी. गर्ग',

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोव नं. 231, बोर्ड नं. 10 है तथा जो सूरत
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-2-1981

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
धीर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वाई जयमनगौरी हरीशंकर जोशी कलारगाम,
सजानंद सोसायटी के पास सूरत।

(अन्तरक)

(2) ए. सी. अन्तरप्राईमीम के हिस्सेदार :

1. श्री अजयचं कुमार जीतेन्द्र व्यास,

2. श्री चन्द्रकान्त पटमल शाह बालाजी रांड सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नोव नं. 231, बोर्ड नं. 10 से सूरत में स्थित मिलकत
फरवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-10-1981

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद-11, दिनांक 7 अक्टूबर, 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1204/एक्वी.-32-11/81-82
—अतः, मुझे जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 49, फेक्टरी रोड, है तथा जो
सोनगढ़, जिला-सुरत में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूचि
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, व्यास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख करारी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6—306GI/81

(1) श्री प्रमूलभाई एम. गांधी की नेशनल अंजीनियरिंग
कन्सल्टेशन कं. बडौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल एम. शाह के द्वारा की सेंट्रल पल्प
मील सोनगढ़, सुरत।

(अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस. नं. 49 से सोनगढ़, सुरत में स्थित मिल्कत फरखरी,
1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-10-1981

मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री स्टैनिसलास गोन्सा लबिस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अख्तर हमन रिश्कवी और श्रीमती मोना हसन
रिश्कवी
ट्रस्टीज आफ रेष्मा ट्रस्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश म. अ. ई. -2/3176-26/मार्च-81--अतः मुझे,
सन्तोष दत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 263 हि. नं. 1 और 8 ए. सी. टी.
एस. सी. 1077 और 1076 है तथा जो शेली राजन रोड,
बान्द्रा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभित्त
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि या लगभगवर्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख संख्या 563/80 आई.टी. रजिस्ट्रार बम्बई
(बान्द्रा) द्वारा दिनांक 23-3-1981 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

सन्तोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक : 19-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जोसेफ थामस फेरीरा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मायकेल जोसेफ फेरीरा

2. कुमारी नोरमन प्रेसीम लुईस

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. अ.ई. 2/3145-3/फेब्रु-81--अतः • मुझे
सन्तोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 38 सीटीएस 302 तथा जो गोरार्ड,
चोरीबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 9-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-
मोहर :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं. एस 133/81 उपरजिस्ट्रार बम्बई
द्वारा दिनांक 9-2-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सन्तोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-10-81

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई-2, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

बम्बई-11, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. अ. ई. 3148-6/फेब्र.-81---अतः मुझे,
संतोष दत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1092 और 1489 है तथा
जो माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-2-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती आईशाबाई हाजी उस्मान (अन्तरक)
2. श्री हाजी इस्माईल अहमद मुकादम (अन्तरिती)
 - (1) हाजी अबदूल गनी इब्नाहिमभाई
 - (2) हाजी अबदूल रजाब मुकादम
 - (3) हाजी इस्माईल अहमद मुकादम
 - (4) उमरेभाई लतीफभाई
 - (5) अतौलाहा जब्बारखान

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1094/80 उपरजिस्ट्रार,
बम्बई द्वारा दिनांक 16-2-1981 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख : 5-10-1981
मोहर :

प्रकटन आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 10 मितम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. कल्याण/फेब्रु. 81/531/81-82—यत. मुझे, "शशिकान्त कलकर्णी", आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सि. स. नं. 2895 और 2951 ए. स. नं. 91/2 और 140/3 प्लॉट नं. 202 है तथा जो रामबाग गली नं. 'ओ', कल्याण में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दायम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पयापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रभुत्व) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय राशियाँ प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीपाद सर्वोत्तम मूले और रामबाग गली, नं. 'ओ' कल्याण (अन्तरक)

2. श्री एम. अ. गाडगिल, सचिव, इन्दिरा सहकारी गृह निर्माण सोसायटी मर्यादित, रामबाग गली नं. 'ओ', कल्याण, जिल्हा ठाणे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन और इमारत जो सि. स. नं. 2895, 2951 ए. स. नं. 91/2, और 140/3, प्लॉट नं. 202, रामबाग गली, नं. 'ओ' कल्याण में स्थित है। जिसका क्षेत्र 252 स्क्व. यार्ड है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 383 जो 21/2/81 को दायम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रजि, पूना-411004

तारीख : 10-9-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. वाई/फेब. 81/532/81-82—यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 18/2 है तथा जो मेटेगुताड गांव ता. वाई., जि. सातारा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाय्यम निबंधक वाई. में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धोंडू रावजी पवार और सहा
श्री शंकर विनोबा चौधरी और बारह
श्री बाबुराव नारायण बाबलेकर और पांच
रा. मेटेगुताड ता. वाई., जि. सातारा
(अन्तरक)

2. श्री श्रीनिवास महादेव साने, वैभव श्रध्दानंद पथ,
जोबिबली (इस्ट), जि. ठाणे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जा. सं. नं. 18/2 मेटेगुताड गांव, ता. वाई., जि. सातारा में स्थित है। जिसका क्षेत्र 1 हेक्टर—19 आर है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 155 जो 27/2/81 को दाय्यम निबंधक वाई., जि. सातारा के दफ्तर में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 10-9-1981
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

1. श्री मन्तोप कुमार मल्लिक एण्ड आदार्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1981.

निर्देश स. ए. सी. क्यू आर -कल/टी आर.-522/80-81/सी.-588--यत मुझे, आर्क्ष. वी. एस. जूनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है और जिसकी स 56 है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

2. मिस राणा निसात, जवाह, एण्ड आदार्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 16 कअ 14 छटाक, 30 वर्ग फीट जमीन पर एक तल्ला मकान का अविकृत 1/2 हिस्सा जी. 10-2-81 तारीख मा. उी. नं. 1-884 अनुसार रजिस्टर आफ एयमुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्र हुआ।

आर्क्ष. वी. एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, कलकत्ता

तारीख : 15-9-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

नैर्देश स ए सी -32/आर-11/कल/81-82--
यत, मुझे, के सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स दाग न - 95 है तथा जो पटखाली, थाना -
महेशतला, 24 - परगणा गिथल व (और इसमें उपावृत्त अन-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय डी आर अलिप्प परगना 24 में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

- (1) उपा एटलस हाइड्रोलिक इक्विपमेंट लि
(अन्तरिती)
- (2) श्री सतोष कुमार पाल
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र - 18क 2छ. 10 वफू. (खाली) पटखाली, थाना
महेशतला, 24 परगणा एर दाग न 95, ख न 48।

के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 11/कलकत्ता, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता

तारीख 23-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) उषा टेलिहायेस्ट लि.

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मुसिल अकालिमा बीबी और 7 अन्यान्य।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी.-33/आर-11/कल./31-82—यतः, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. दाग नं. 826 है तथा जो चन्दननगर, थाना - महेशतला, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अनिलपुर, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—306GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र - 2 बी. 13क. 12छ. 18 वर्ग फुट चन्दननगर थाना - महेशतला, 24 परगणा पर ख. नं. - 896, दाग नं. 826 और 823.

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज 11/कलकत्ता 54, रफीअहमद किववई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 23-9-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स उषा टेलीहायस्ट लिमिटेड

(अन्तर्गती)

(2) श्री संतोष कुमार पाल

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्देश नं. ए. सी.-34/आर-11/कल./81-82—यतः
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. दाग नं. 95 है तथा जो पटखाली, थाना महेश-
टोला, 24-परगणा में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
डी. आर. उल्पीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
र्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनसूची

क्षेत्र - 2 बी. - 4क. - 12छ. 25 व. फ. (क्षेत्री) पटखाली,
थाना - महेशटोला, 24 - परगणा पर, दाग नं. - 95 ख. नं.
84।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रंज 11/कलकत्ता 54, रफीअहमद किरानाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 23-9-1981
साहूर :

प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57-गमतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश न. जी. आई. आर. सख्या ए-103/अर्जन—अतः,
मुझे, अमरसिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी म. 40 प्रिंसिपियल है तथा जो का 1/7 भाग
हजरतगंज लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हजरतगंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-2-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री मथुराप्रसाद शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

(अन्तरिती)

(3) सर्वश्री देवीलाल शाह (2) सुन्दर लाल शाह (3) लोलो-
यती देवी (4) वी. देवी (5) गनेश लाल शाह (6)
जगदीश प्रसाद तथा मैसर्स कृष्णा रेस्टोरेन्ट किराये-
दार मैसर्स काफी हाउस किरायेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रिन्स थियेटर सनीमा मय भूमि, भवन, फरनीचर, फिटिंग्स
फिक्सचर्स मैसर्स कृष्णा रेस्टोरेन्ट व काफी हाउस इत्यादि स्थित
40 हजरतगंज लखनऊ का 1/7 भाग तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो
संलडीड और फार्म 37-जो सख्या 843/81 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-2-
1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 8-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57-रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 सितंबर 1981

निदेशन नं. जी. आई. आर. संख्या वी-53/अर्जन—अतः,
मुझे, अमरसिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6 है तथा जो आर्यनगर कालोनी हल्का-चेतगंज
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 11-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रे) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. आर्यनगर सहकारी गृह निर्माण समिति वाराणसी
द्वारा अध्यक्ष डा. भगवानदास अरोड़ा पुत्र श्री
वरकत राम आरोड़ा।

2. नरेंद्र कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री विजय बहादुर सिंह, श्रीमती रूपकला देवी

(3) उपरोक्त अन्तरिती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 6 और उस पर बना हुआ मकान स्थित आर्यनगर
कालोनी हल्का चेतगंज वाराणसी शहर में वह संपूर्ण संपत्ति जो
सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1280 में वर्णित है
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक
11-2-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 10-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2884, —चूँकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. जे-5 ए है एवं जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री तेज पाल सिंह सुपुत्र श्री श्रीलोक सिंह बी-3/19, राना प्रताप बाग, विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अविनास बिन्दल सुपुत्र श्री जे. पी. बिन्दल, एफ-59, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. जे-5 ए, क्षेत्रफल 463 वर्ग गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 1-10-1981
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित
विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं० एफ० 15/1/80 प० I (ख)--भारत के राजपत्र दिनांक 31 अक्टूबर, 1981 में निर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में वरिष्ठ इंजीनियरों (सिविल/इंजीनियर) की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिविल/इंजीनियर) में पदोन्नति हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 6 अप्रैल 1982 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी) इटानगर, काठमांडू, मद्रास, नागपुर और पोर्ट ब्लेयर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुसंध पैरा 8 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित है :-

- (1) सहायक इंजीनियर (सिविल) 50 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 8 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
- (2) सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) 15 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

विशेष ध्यान दें :- उम्मीदवार जिस ग्रेड अर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल) या सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) की प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने आवेदन पत्रों में उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपए बेकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के कार्डेटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1982) के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982 के लिये निर्धारित आवेदन-पत्रों से हतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 14 दिसम्बर, 1981 (14 दिसम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 28 दिसम्बर, 1981) तक अवश्य भिजवा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों में आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 दिसम्बर, 1981 से पहले किस तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी :- जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जो जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के रंगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए। अन्यथा हों सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अट्ठाइस रुपए) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग--परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 15.00 (पंद्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00 (चार रुपए)] वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न सो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

7. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

विमर्श,
संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केंद्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केंद्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को उस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केंद्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 6 मार्च, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन पत्र तथा पाठ्यी कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल प्वाइंट पेन से ही भरने चाहिए। भ्रूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय श्रंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी श्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन पत्र में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय श्रंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी धरें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रमक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रांति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन पत्र में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने विभाग या कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करें जो आवेदन-पत्र के अन्त में पृष्ठांकन को भर कर उसे आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रत्येक अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट्रेट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (iii) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iv)]।
- (iv) भरा हुआ उपस्थिति-पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न)
- (v) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें. मी. आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे जिन पर अपना पता लिखा हो।

टिप्पणी (i) :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद

(iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही

प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम सम्भवतः सितम्बर, 1982 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय उक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवाजी रद्द कर दी जाएगी और उनका नाम विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी II :— आवेदन पत्रों के साथ भेजी गई प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी देनी होगी।

4. पैरा 3 की मद (i) से (iii) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं,

(i) (ग) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होने चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय" लिखना चाहिए।

किसी अन्य प्रकार पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार को पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिए गए स्थान पर चिपका देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिसे के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्न-लिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह

प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाता चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से भ्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पवों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुत्र/सुपुत्री* जो गाँव/कस्बा
जिला/मंडल*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
के/की* निवासी हैं

जाति/जन*
जाति के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित*
जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश 1950।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

[अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 तथा अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (अमूम और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1958
संविधान (अंशमान और निकोबार (डीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1959।

[अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976* द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962।*

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962।*

संविधान (वांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968।*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968।*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970।*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

भोर/या* उनका परिवार आमतौर गाँव*/कस्बा*
जिला/मण्डल* में राज्य/संघ*
राज्य क्षेत्र में रहते/
रहती* है।

हस्ताक्षर -----

**पदनाम -----

स्थान-----

(कार्यालय की मोहर सहित)

तारीख -----

राज्य/संघ* क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हो तो कृपया काट दें।

नोट :—यहाँ प्रयुक्त "भ्राम तौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्चपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

(प्रथम श्रेणी के स्टार्चपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम मोहरे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका मोहरदा तहसीलवार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिप्लोमेट अफ सर, लखनौ।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii) में उल्लिखित प्रलेख संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदनपत्र भेजने के बाद भीष्ट ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निःशर्त अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएँ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उनकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न ही कोई फेर बदल किए गए झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अभ्युक्त तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात की सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें वेर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

8. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं है।

10. आवेदन-पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार :--आवेदन पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :--

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष

(3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।

(5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

विशेष ध्यान दें (i)--जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान (ii) :--यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो उस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

11. पत्रों में परिवर्तन :--उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बचने हुए पत्रों पर मिल जायें करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1981

No. A. 38013/1/81-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri I. J. Sharma, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government ser-

vice, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1981 in terms of Department of Personnel & A.R. O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI,
Under Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, the October 1981

No. K-13/71/AD.V.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officer substantively to the post of Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Department of Personnel & A.R. with effect from 20-10-1977.

S. No.	Name of the officer	Present place of posting	Rank in which already permanent in CBI
1.	Shri Kartar Singh	GOW/Delhi	Inspector

The 12th October 1981

No. A. 35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Debi Prasad Roy, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on denutation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW Calcutta, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st September, 1981 until further orders.

II (Deputy Supdt. of police/Coy. Commander in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from forenoon of 14th Sept. 1981 subject to his being medically fit

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 1st October 1981

No. E.-38013(4)/16/81-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector R. S. Srivastava to officiate as Assistant Commandant, on ad-hoc basis, in the CISF w.e.f. the date he assumes charge of the said post.

2. The above appointment is purely temporary and is liable to be terminated without notice.

SURINDRA NATH,
Director General/CISF

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)/C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 3rd October 1981

No. O. II-1602/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Kumar as General Duty Officer Grade-

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS (M.P.)

Dewas, the 30th September 1981

F. No. BNP/C/5/81.—In continuation to this Department's notification of even number dated 28-4-81 and 24-5-81, the ad-hoc appointments of the following officers are hereby extended upto the date shown against each on the same terms and conditions:—

S. No.	Name	Post to which adhoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appointment continued
	S/shri		
1.	V. Venkataramani	Technical Officer (Printing & Platemaking)	31-12-81
2.	R. C. Agrawal	Do.	Do.
3.	Ashok Joshi	Do.	Do.
4.	A. D. Deshpande	Do.	Do.

M. V. CHAR, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st October 1981

No. CA.I/323-69.—On his attaining the age of superannuation Shri A. N. Prabhushamppa, Audit Officer (Commercial)

serving in the office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore retired from service with effect from 31-10-1980 A. N.

The 6th October 1981

No. CA.I/106-80.—The Addl. Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint the following Section Officers (Commercial) of the offices mentioned in column 3 below who are on deputation on foreign service to the organisation mentioned in column 4 below to officiate as Audit Officers (Commercial) under the "NEXT BELOW RULE" with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the Officer	Office to which belonging	Office where working on deputation	Date of promotion
	S/Shri			
1.	J. Jaggayya	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Andman & Nicobar Administration Port Blair.	31-10-80
2.	S. K. Gupta	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi.	Indian Drugs Pharmaceuticals Ltd., Gurgaon.	31-10-80
3.	S. R. Das	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Calcutta Metropolitan Development Authority Calcutta.	1-4-81

M. A. SOMESWARA RAO, Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
J & K

Srinagar, the 7th October 1981

No. Admn. 1/60(88)/81-82/4138-45.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has promoted Shri M. L. Bhat, a permanent Section Officer, as Accounts Officer in an Officiating Capacity with effect from 6-10-1981 (forenoon) in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/-.

H. P. DAS
Senior Deputy Accountant General (A&E)

Assistant (on reversion from Cabinet Sectt. where he was on deputation) to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio, and post him at All India Radio, Trivandrum with effect from the afternoon of 4-8-1981, until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 12026/2/80-(HQ)/Admn. I.—Shri C. Dabral, Deputy Director (Library) and Shri A. G. Patil, Additional Deputy Assistant Director (Library) in the National Medical Library are reverted as Additional Deputy Assistant Director (Library) and Librarian Grade I respectively with effect from the forenoon of the 27th August, 1981.

The 1st October 1981

No. A. 12025/13/80-(NTI)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Venkata Reddy to the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th September, 1981 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 19018/21/81-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kumari) Purnima Sadhoo to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 2nd July, 1981.

The 3rd October 1981

CORRIGENDUM

No. A. 19018/19/80-CGHS. I.—In this Directorate's notification No. A. 19018/19/80-CGHS. I dated the 6th March, 1981, for the name Dr. (Miss) Ravindra Tondon Karthy' read the name 'Dr. (Miss) Ravindra Dinanath Tondon.'

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 24th September 1981

No. 3/1/80-SIII Vol. I.—Consequent upon his promotion Shri R. C. Aggarwal, Sr. Engineering Assistant has assumed the charge of the post of Asstt. Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar in a temporary capacity w.e.f. 2-7-1981 (FN).

The 25th September 1981

No. 10/22/79-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. Mathew, Sr. Engineering

No. A. 19018/28/80-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Samantarai Soren to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme in a temporary capacity with effect from the 10th September, 1981 (forenoon) until further orders.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (CGHS. I)

New Delhi, the 1st October 1981

No. 6-42/80-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Roy, in a substantive capacity to the post of Director, in Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from 1/10 April, 1980.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th September 1981

No. A. 19025/19/81-A.III.—Smt. Surinder Kaur, Senior Inspector (Group 1) has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at New Delhi, on *ad hoc* basis, w.e.f. 11-9-1981 (F.N.), until further orders.

The 13th October 1981

No. A-19025/54/81-A. III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Bheemsenacharya Purohit has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group 1) in this Directorate w.e.f. 24-9-81 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th September 1981

No. PA/76(3)/80-R-III(1).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Krishnamurthi Viswanathan, permanent Section Officer(A) from the Office of the Joint Controller of Defence Accounts, Secunderabad on deputation as Assistant Accounts Officer in BARC in the scale of pay of Rs. 650-30-140-35-880-EB-40-960/- with effect from September 10, 1981 (F.N) to September 9, 1982 (AN).

The 22nd September 1981

CORRIGENDUM

Ref. No. PA/79(11)/79-R-III.—In partial modification of notification of even number dated June 11, 1981, regarding the appointment of Shri Kartarsingh Gopalsingh Viswaney to officiate as Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from June 1, 1981 until further orders, the surname may be amended to read as "VASWANI" instead of "VASWANAY".

The 3rd October 1981

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Stanley Valsalan, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of September 23, 1981 until further orders.

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Basavantayya Shivalingayya Huligerimath, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre at PREFRE, Tarapur to officiate as Security Officer in this Research Centre at

Bombay with effect from the forenoon of September 28, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 23rd September 1981

No. Ref. 5/1/81-Estt.II/3881.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. R. Shirole, Asstt. Security Officer to officiate on an *ad hoc* basis as Security Officer for the period from 4-6-1981 FN to 4-7-1981 AN.

O. P. BATRA
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 1st October 1981

No. NAPP/Adm./(261)/81/S/11808.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri S. K. Rastogi, a Quasi Permanent Draughtsman 'B' of Power Project Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 5, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 3rd October 1981

No. Ref. 23/9/77-Est./Vol.II/19257.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, Government of India appoints Shri Babul Mohanlal Ganatra, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of May 11, 1981 upto the forenoon of September 14, 1981 in the Kota Regional Accounts Unit of the same Directorate *vice* Shri P. S. Rao, Accounts Officer-II granted leave and transferred to Bhabha Atomic Research Centre.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 3rd October 1981

No. RAPP/Rectt./9(9)/81/S/32.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. C. Shah, a permanent Upper Division Clerk of Rajasthan Atomic Power Station and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 28th September 1981 until further orders.

M. D. GADGIL
Administrative Officer(E)
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the October 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Israr Husain Israili as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of September 7, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 30th September 1981

No. 05012/R5/OP/5739.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadammuttu Pachupillai Radhakrishnan, a temporary Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on *ad hoc* basis w.e.f. July 1, 1981 (F.N.) to August 4, 1981 (A.N.) vice Shri V. B. Swamy, Assistant Accounts Officer, repatriated to his parent office.

R. C. KOTINKAR
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th September 1981

No. A.32014/1/80-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Delhi Airport, Delhi.

Sl. No., Name and Date

1. Shri K. M. Mehta—20-8-81.
2. Shri Balwant Rai—20-8-81.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras, the 6th July 1981

Customs/Establishment

No. 9/81.—Shri M. Packiam, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 3-7-81 A.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 21st July 1981

No. 11/81.—Smt. Elsi Thomas, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 15-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. She will be on probation for a period of two years.

The 5th August 1981

No. 12/81.—Shri G. Kalyana Raman, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 27-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 26th August 1981

No. 13/81.—S/Shri L. V. Menezes, T. R. Govindarajan and A. Vaudevan are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) on a regular basis with effect from 13-7-81 F.N. in the Madras Custom House.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 1st October 1981

No. A-19012/533/75-Estt-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names :—

S. No.	Name of officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	where posted
	S/Shri		
1.	C. K. M. Nambiar Supervisor	14-8-81 (FN)	F.C.D. I Dte.
2.	N. L. Vaghela Supervisor	10-9-81 (FN)	G.D. II Dte.
3.	Madan Gopal Arora Supervisor	14-8-81 (FN)	T.D. Dte.
4.	A. B. Thammiah Supervisor	24-8-81 (FN)	C.S.M.R.S.
5.	B. B. Mathur Supervisor	27-8-81 (FN)	F.E. Dte.
6.	S. C. Chopra Supervisor	11-9-81 (FN)	P & I Orgn. (EXHIBITION CELL)
7.	G. K. Swamy Supervisor	11-9-81 (FN)	Reservoir Sedimentation Dte.

A. BHATTACHARYA,
Under Secy.

New Delhi, the 3rd October 1981

No. A.19012/1(5)/81.Estt.I.—Chairman, CWC hereby appointed Shri P. K. Gupta, Senior Professional Assistant (Hydromet) to the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) in an officiating capacity on *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, w.e.f. the 7th September, 1981 (F.N.) for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
(COMPANY LAW BOARD)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vandana Pictures Limited
Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1270.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vandana Pictures Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September, 1981

No. STAT/1370.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1497.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sital Financer Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sital Financer Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kiwi Shawls Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1730.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kiwi Shawls Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT,
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 618/4627/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Universal Nuts and Bolts Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 15458/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Universal Nuts and Bolts Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. N. K. Traders Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 619/19349/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. S. N. K. Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 620/19454/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Beeta Chem Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 617/12141/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Beeta Chem Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mannsfold Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 470/13758/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mannsfold Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Swastik Properties Private Limited

Bombay-2, the 12th October 1981

No. 15302/560(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Swastik Properties Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shamrock Products Private Limited

Bombay, the 12th October 1981

No. 469/5472/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shamrock Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay.

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Tej Pal Singh S/o Shri Trilok Singh r/o
B-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)2. Shri Avinash Bindal s/o Shri J. P. Bindal r/o
F-59, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III-2-81/2884.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. J-5A, situated at Green Park Extn., New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Feb. 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. J-5A, measuring 463 sq. yd. Green Park Extn.,
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR/III/2-81/2927.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-258, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pradeep Kumar Khosla s/o V. R. Khosla (Vidya Sagar Khosla) 115/6, Corniwalas Street, Calcutta-4.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Kant Soni & Sh. Suresh Kant Soni both sons of late Sh. M. K. Soni r/o 712, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-258, measuring 213 sq. yd. Greater Kailash-I, N. Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2838.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, situated at Sadhna Enclave, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
9—306GI/81

(1) Shri V. IF. Kulanday r/o 3, Sadhna Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Subha Lakshmi Khan r/o C-38, Panchsheela Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sadhna Enclave, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2831.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingPlot No. 3 Block 'N', situated at Greater Kailash-I, New
Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at Delhi on
Feb. 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Hurry Lal Goburdhan s/o late Ram Prashad
Goburdhan r/o C/15, Chirag Enclave, New Delhi
through attorney Smt. Usha Goburdhan.
(Transferor)

- (2) Shri Arun Mittal,
s/o Shri V. B. Mittal,
r/o A-3, Greater Kailash
Enclave-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block 'N' measuring 309 sq. yd. Greater
Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) A. S. Raghunathan s/o late Sh. A. S. Iyengar,
r/o B/5/133, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Harbans Lal s/o late Sh. Amar Nath
Kainath r/o F-128, Village Mohammadpur,
Near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2902.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S-296, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-296, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Swarna Sehgal and Mrs. Sangeeta Chopra
D-289 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Raj Kumar Dogra and Mr. Parkash Dogra,
G-51, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
1 P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2898 —Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing E-469, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-469, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq1/SR-III/2-81/2877.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. C-18, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Shri Prem Patnaik s/o B. Patnaik 1/o No. 2, Central Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Amat Ali, Hasham Ali s/o Hashmat Ali and Nasir Ali (minor) through his father Shri Hashmat Ali 1/o 1335, Kalan Mahal, Darya Ganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. C-18, measuring 200 sq. yd. Nizamuddin West, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2887.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-168, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Sheila Singh w/o Late Thakur Bhagirath Singh, D-168, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Mukti Roy w/o Sh. Amal Kumar Roy and Sh. Amal Kumar Roy s/o Late Dr. Lalit Kumar Ray, r/o C-162, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-168, Defence Colony, New Delhi, area 325 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/2-81/2928.—Whereas I, **R. B. L. AGGARWAL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-68, situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Sethi w/o Shri S. P. Sethi,
r/o 28, Lucknow Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Ved Kaur w/o Sardar Sajjan Singh r/o E-28A,
Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-68, N.D.S.E. Part-II, New Delhi, 250 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/-81/2830.-Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. B-13, situated at Mayfair Garden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Asha Bhawnani w/o Mr. Hira Lal Bhawnani
through attorney Mr. Badal s/o H. Uttar,
r/o B/2/3, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Mahtani Mohini Thakurdas and Mr. Mahtani
Thakurdas s/o Sh. Nariandas r/o B-60, Mayfair Gar-
den, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-13, in Mayfair Gardens, the Compolitan
Co-op Housing Society Ltd., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2892.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.S-42, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1981for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
10—306GI/81

- (1) Sh. Gurvinder Singh Khumana,
E-118, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Javard Bhai & Co. Pvt. Ltd.,
S-42, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S-42, Greater Kailash-II, New Delhi measuring
300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
II BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2897.—Whereas J.
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

B-1/12, situated at Vasant Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1981for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sh. Chandra Bhushan,
26 Shiv Tirth I
Bhulabhai Desai Road,
Bombay-26.

(Transferor)

(2) Mrs. Shail Jain,
2600, Chhatta Pratap Singh,
Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. B-1/12, Vasant Vihar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2910.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- E-83, situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. S. D. Verma, s/o
late Sh. Hemraj Verma,
r/o E-83, New Delhi South Extension,
Part-I, New Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Tufal Ahmed s/o Sh. Abdul Lattife, &
Mohd. Iqbal Ahmed, s/o
Tufal Ahmed,
House No. 3189, Kucha Pandit,
Lal Kuan, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-83, area 200 sq. yd. New Delhi South Extension, Part-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi; the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2912.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-221, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Sita Ram Anand s/o
Shri Uttam Chand Anand,
r/o 109, Victoria Road, Jabalpur,
through G/A Air Cdre. A.R. Anand.
(Transferor)
- (2) Dr. Suresh Mahajan s/o
Dr. M. R. Mahajan,
r/o 15571, Seven Pines Avenue, USA through
Mrs. Swarn Lata Gupta G/A.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-221, Defence Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981
Seal :

FORM ITNS -----

(1) Sh. Pawan Kumar Chandoke s/o
Sh. J. R. Chandoke,
r/o E-116, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Radha Krishan Gupta s/o
Lala Raghber Dayal Gupta,
Smt. Bimla Gupta w/o
Radha Krishan Gupta,
r/o E-252, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-11/2-81/2821.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-252, situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-252, measuring 211 sq. vd. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1.10.1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No: IAC/Acq. 1/SR-III/2-81/2840.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-39, situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Sh. Tara Chand s/o Rama Nand,
r/o 13, Municipal Flat, Kamla Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Suresh Aggarwal, s/o
Shri Dalip Singh Aggarwal, and
Smt. Sneh Aggarwal w/o
Shri Suresh Aggarwal, r/o
678/1, Bimla Bhawan, Kabool Nagar,
Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-39, measuring 418 sq. yd. Kalindi, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I, SR-III/2-81/2843.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P/34, situated at N.D.S.E. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Daya Wanti,
2. Mis Sanjivni (minor)
704-707, Chandi Mahal, Darya Ganj,
Delhi (Transferor)
(2) M/s. Saraswati Builders Phase-II, N. Delhi,
G1/16, Darya Ganj, Delhi through
Sh. Satish Seth, M. Partner. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. P/34, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2481/2911.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11/90, situated at Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rallias India Ltd.
Through its attorney Shri Amar Nath Piyare Lal
R/o No. 13, Jaipur Estate, Nizamuddin, East,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rajiv Motors Pvt. Limited,
11/90, C. Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11/90, Connaught Circus, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H Block, Inder Prastha, Estate, New Delhi

Date : 1-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1188 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingPlot No. 326 Sector No. 22, situated at Gandhinagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Gandhinagar on 26-2-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

11—306G1/81

- (1) Lalbhai Chaturbhai Patel and
Madhuben Lalbhai Patel;
Sector No. 22, Gandhinagar.

(Transferee)

- (2) Shri R. J. Patel;
Sector No. 22, Plot No .326,
Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 326, Sector No. 22,
situated in Gandhinagar Town Ship and as fully described
as per sale deed No. 309, registered in the office of Sub-
Registrar, Gandhinagar on 26-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 5th October, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1189 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. A-4/6, B.I.D.C. Ltd. Estate situated at Gorwa, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Patel Rameshbhai Maganbhai,
Vishwas Colony, Alkapuri,
Baroda.

(Transferor)

- 12) 1. Patel Jitendrakumar Maganbhai;
2. Patel Bakul Dahyabhai;
3. Patel Urvashi Paritosh;
Old Padra Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Industrial shed bearing Block No. A4/6 situated at B.I.D.C. Ltd., Estate, Gorwa, Baroda and as fully described as per sale deed bearing Regr. No. 1210 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 27-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 5th October, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1190 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 960, Wd. No. 2, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natwarlal Jethalal;
Pushpaben Natwarlal;
Narsing Sheri, Sagrampura,
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Jayvadan;
Partner of M/s. C. B. Construction Co.
Narsing Sheri, Sagrampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 960, Wd. No. 2, Surat duly registered on 2-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1191 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 110 Plot No. 11-A (Paiki) Wd. No. 13-C, Nondh No. 450 C.S. No. 20, Plot No. 11A, situated at Majura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gunvantrai Nanubhai Desai;
Navchetan Society; Majura,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pankajkumar Hasmukhlal Kapadia;
Sadhana Society, Varachha Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Majura, S. No. 110, Plot No. 110A(P), Wd. No. 13-C, Nondh No. 450, New C.S. No. 20(P) Plot No. 11-A, Surat, duly registered on 2-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM ITNS—

- 1) Bai Ganga Chhotalal;
Kharadi Sheri, Nanpura,
Surat.

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmalaben Vijbhukhandas Jariwala;
Sale Prop. Upasana Corporation,
5, Bhula Building, 2nd Floor, Kan Pith,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1192 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura, situated at Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura, Surat duly registered on 12-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1193 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 328, S. No. 42(P) Narmadnagar, Plot No. 57 situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 13-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanchanlal Chhaganlal Limdi;
Maltiben Kanchanlal Limdi;
Narmadnagar, Athwa Lines,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra Thakorbbhai Desai;
Bharatiben Bhupendra Desai;
Nagarvad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 328, S. No. 42 (P) Narmadnagar, Plot No. 57, New C.S. No. 1726, Athwa, Surat, duly registered on 13-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1194 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura,
situated at Surat.(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 10-2-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Somiben Wd/o Kevalram Karsandas;
Narmadaben daughter of Kevalram Karsandas;
Keshavlal Kevalram }
Natverlal Kevalram } being guardian and
Jitubhai Kevalram } Karta of family
Nevnitlal Kevalram }

(Transferor)

- (2) Smt. Bhanumati Jagmohandas;
Municipal Tenaments,
Opp. Kinnery Cinema, Ring Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura,
Kaversing Sheri, Surat duly registered on 10-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1195 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Saiyadpura situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hasim Davji Dadabhai;
7-3025, Dadabhai Building,
Saiyedpura,
Surat.

(Transferor)

(1) 1. Shailkeshkumar Narottambhai Patel;
34, Shriniketan Society, Katargam,
Surat.
2. Jayesh Babubhai Patel;
34, Alkapuri Society, Sumul Dairy,
Surat.
3. Maniben Mangubhai Patel;
Ajanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Saiyedpura, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1196 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—306GI/81

- 1) Shri Kashiram Shivnath;
Wadi Falia, Chakawala Sheri,
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Chandrakant Chunilal Gadhyi;
Kirparai Mehta Khancho, Gopipura,
Surat.
2. Kusumben Chandrakant Gadhyi,
Kirparai Mehta Khancho, Gopipura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia, Surat duly registered on 2-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1197 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78-B, situated at Mesob, Taluka : Choryasi, Surat (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mahendrasinh Narsinh;
2. Maniben Narsinh;
Village : Dumbhal; Taluka : Choryasi, Surat.

(Transferor)

- (2) Pattners of Lalit Motor,
Una Pani, Lal Darwaja, Surat.
1. Dolatral Gulabbhai Desai,
Katodra, Tal. Kamrej,
2. Bhaskarabhai Namubhai Desai,
Katodra, Tal. Kamrej.
3. Niranjan Natvarlal Desai,
Katodra, Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Village Megab, Taluka Choryasi, Surat S. No. 78-B duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1198 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Navapura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Saifi Musad Attari,
Poona.
1. Shri Siraj Musad Attari,
Zampa Bazar,
Surat.
2. Sehra Musad Attari,
Mor Land, Bombay.
3. Kakhrudin Musad Attari,
Mor Land, Bombay.

(Transferor)

- (2) Dr. Noman Taiyabbhai Maskati,
Daria Mahal,
Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 6th October, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No 1199 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Wd. No. 13 situated at Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yusuf Ismail Vaid; Salyadpura, Turav Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Vithalbhai Patel; Nirav Apartment Coop. Housing Society; Kailashnagar, Ghodod Road, Surat. C/o I-E, Mira Apartment, Nanavav, Pandol ni Pole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Surat duly registered on 26-2-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 6-10-1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1200 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 660, C.S. No. 1774, situated at Vaishwakunj Coop. Hsg. Society Ltd., Karelbaug, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manubhai, Ramakrishna Bhatt, Karelbaug, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Hitendra Biharilal Upadhyay, and Shri Umesh Biharilal Upadhyay; 30, Vaishwakunj Coop. Hsg. Society Ltd., Karelbaug, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing R.S. No. 660, C.S. No. 1774 situated in Vaishwakunj Coop. Hsg. Society Ltd., Karelbaug, Baroda and as fully described in sale-deed bearing Regn. No. 618 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-10-1981
Seal :

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No 1201 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingWard No. 1, Nondh No. 2165-A & 2201 of (F) situated at
Nanpura, Surat,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat in February 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Kersi Kekhsaru Saher Kumiben Kersi Saher
Smt. Kernira Magarban Nanpura, Makaipul, Surat.
(Transferor)

- (2) 1. Chairman : Bipinchandra Dhirajlal Golwala;
2. Secretary : Jayantilal Vithaldas,
Yash Apartment Coop Housing Society;
1. Baranpuri Bhaga, Surat.
2. Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 1/2165-A and 2201-A (paiki) Nan-
pura, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1202 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Type A, Block 4, Road No. 3, Plot No. 7, situated at Udhna Udyognagar, Udhna, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Partners of Renuka Silk Mills: Udhna Udyognagar, Udhna.
1. Shriishkumar Babubhai Gorwala;
2. Jayeshri Dilipkumar Golwala;
R. B. Golwala Family Trust, trustees;
1. Rajnikant Babubhai Golwala;
2. Urmila Rajnikant Golwala;
Udhna Udyognagar, Udhna, Surat.

(Transferor)

- (2) Abdulgani Ismail Unwala;
Hajrabai Mohmad Kasam;
Ibrahim Valimohmad;
Chok Bazar, Sidhived, Surat,
Shri Nurmohmad Miyamohmad;
Bhaga Talav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Road No. 3, Type-A, Block No. 4, Plot No. 7, Udhna, Udyognagar, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1203 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 231, Wd. No. 10, situated at Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bai Jaymangauri Harishanker Joshi;
Katargam, Nr. Sajanand Society, Surat.
(Transferor)
- (2) Partners of A.C. Enterprises;
1. Shri Ajayakumar Jitendra Vyas;
2. Chandrakant Popatlal Shah;
Balaji Road, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 231, Wd. No. 10, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Prafulbhai M. Gandhi; The National Engg. Construction Co., Baroda. (Transferor)
 (2) Shri Natvorlal M. Shah; on behalf of; The Central Pulp Mill, Songadh, Surat (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1204 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 49, Factory Shed; situated at Songadh-Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vyara on February 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 49, Songadh, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—306GJ/81

Date : 7-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Stanislaus Gonsalves.

(Transferor)

(2) Akhtar Hassan Rizvi & Mrs. Meena A. Rizvi
Trustees of Reshma Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th September 1981

No. AR II/3176-26/Mar.81.—Whereas, I SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 263, H. No. 1 & 8-A C.T.S., No. C-1077 & 1076 situated at Sherly Rajan Rd. Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 23-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 563/80 as registered with the Joint Sub-registrar, Bombay (Bandra) on 23-3-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 19-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Joseph Thomas Ferriera.

(Transferor)

(2) Michael Joseph Ferreira & Norman Francis Lewis.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Ref. No. AR-II/3141-3/Feb. 81.—Whereas, I,
SANTOSH DATTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Survey No. 38, C.T. S. No. 302 situated at Gorai Vill.
Borivli,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 9-2-1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. S-133/
81 with the Sub-Registrar, Bombay, on 9-2-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Ref. No. AR-II/3148-6/Feb'81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C.T.S. No. 1092 & 1489 situated at Mahim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Aishabai Haji Usman. (Transferor)
 (2) Shri Haji Esmail Ahmed Makadam. (Transferee)
 (3) Tenants : 1. Haji Abdul Gani Ibrahimbhai 2. Haji Abdul Razak Mukadam 3. Haji Ismail Ahmed Mukadam 4. Umerbhai Latifbhai 5. Ataullah Jabber Khan.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1094/80 with the Registrar, Bombay, on 16-2-1981.

SANTOSH DATTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-10-1981.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sripad Sarvottam Sule & Others,
Rambaug Lane No. 'O',
Kalyan.

(Transferor)

(2) Shri M. A. Gadgil,
Secretary of Indira Co-operative Housing
Society Ltd.
Rambaug Lane No. 'O',
Kalyan Dist. Thane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalyan/Feb.81/531/81-82.—

Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 3895 & 2951A, S. No. 91/2 & 140/3 Plot No. 202 situated at Rambaug Lane, No. 'O' Kalyan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalyan on 21-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 2895 & 2951 A, S. No. 91/2 & 140/3, Plot No. 202 situated at Rambaug Lane No. 'O' Kalyan, Dist. Thane admr. 252 Sq. Yds.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 383, in the office of the sub registered Kalyan on 21-2-81.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-9-1981.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR Wai/Feb.81/532/81-82.—

Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 18/2 situated at Vill. Metgutad Tal Wai, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wai on 27-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhondu Ravji Pawar & Others 6, Shankar Vithoba Choudhary & Others 12, Baburao Narayan Bavlekar & Others 5 at Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara. (Transferor)

(2) Shri Shrinivas Mahadeo Sane at Vaibhav Shraddhanand Path, Dombivli (E) Dist. Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 18/2 situated at Village Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara admr. 1 H-19R.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 155 on 27-2-81 in the office of the Sub-registrar Wai, Dist. Satara).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-9-1981.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Santosh Kr. Mallick & Ors.

(Transferor)

(22) Miss Rana Nishat Jawad & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1981

Ref. No. TR-552/80-81-C-588.Acq.R-I/CAL.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 56 situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in one storeyed building being premises No. 56 park Street, Calcutta-17 measuring 16 cottahs 14 chittacks 30 sq. ft. of land registered vide Deed No. I-884 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta on 10-2-1981.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta.

Date : 15-9-1981,
Seal :

FORM ITNS—

- 1) Santosh Kumar Paul
Nongee, P. S. Maheshola, 24-Pgs.
(Transferor)
- (2) Usha Atlash Hydroulic Equipment Ltd.,
14, Princep Street, Cal-72.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. AC-32/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 95 situated at Putkhali P. S. Maheshola, 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, on 12-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 18k. 2 Nch. 10 sft. at Putkhali, P. S. Maheshola, 24-Pgs. vide Dag No 95, More particularly described in deed No. 1473 of D. R. Alipore, 24-Pgs of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta

Date : 23-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 826 & 823

situated at Chandannagar, P.S. Maheshtola, 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at D.R. Alipore, on 18-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Mussit Aklima Bibi w/o Md. Musa Naskar,
2. Asgar Ali Naskar
3. Taher Ali Naskar
4. Bhahali Naskar
5. Musstt, Fatima Bibi
6. Musstt. Zehara Bibi
7. Musstt Asma Bibi
8. Musstt. Sahera Begum. All of Vill-Jalkhul, P.S. Maheshtola, 24-Pgs

(Transferor)

- (2) Usha Telehoist Ltd.
- 14, Princep Street, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area :—2b. 13w 12 ch. 18 sft. at Chandannagar, P.S. Maheshtola, Dist-24Pgs vide Dag No 826 & 823. More particularly described in Deed No. 1714 of D.R. Alipore, 24Pgs of 1981

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Calcutta.

Date : 23-9-81
Seal :

FORM INS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref No. AC-34/R-II/Cal/81-82 —Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No 95 situated at Putkhali, P.S. Maheshtola, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore, on 12-2-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santosh Kumar Paul,
Nongee, P.S. Maheshtola, Dt 24-Pgs.
(Transferor)
- (2) M/S Usha Telehoist Ltd.,
14 Princep Street, Cal-72
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 2B 4k. 12ch 25sft. at patkhali, P.S. Maheshtola, 24-Pgs, Dg No. 95. More particularly described in deed No. 1474 of D.R. Alipore of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 23-9-81
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mathura Prasad Sah. (Transferor)
- (2) Smt. Annapurna Devi. (Transferee)
- (3) 1. Shri Devi Lal Shah
2. Shri Sunder Lal Shah
3. Smt. Lilawati Devi
4. Smt. V. Devi
5. Shri Ganesb Lal Shah
6. Shri Jagdish Prasad
7. M/s. Krishna Restaurant—(Tenant)
- & M/s Coffee House
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 8th September 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/7th share in the building and appurtenances known as 'Prince Theatre' fitted with complete Westrex cinema equipment and also containing furniture fittings and fixtures situated at 40, Hazratganj, Lucknow, including M/s. Krishna Restaurant and Coffee House—total area measuring 4028 sq. ft including land and building etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 843/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-2-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 8-9-1981
Seal :

Ref No. G.I.R. No. A-103/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prince Theatre situated at 40, Hazratganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

on 4-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW**

Lucknow, the 10th September 1981

Ref. No. G.I.R. No. V-53/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6 plot and house

situated at Arya Nagar Colony, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Varanasi on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti, Varanasi.

(2) Narendra Kumar

(1) 1. M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti,
2. Narendra Kumar

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijai Bahadur Singh

2. Smt. Roop Kala Devi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and plot of land No. 6 situated at Arya Nagar Colony, Halqa—Chetganj, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1280 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 11-2-1981.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-9-1981

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ASSISTANT ENGINEER (CPWD) LIMITED DEPART-

MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION 1982

New Delhi, the 31st October 1981

No. F.15/1/80-E.I.(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil/Electrical) to the Assistant Engineers Grade (Civil/Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Service Commission on 6th April, 1982 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHATI), IMANAGAI, KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR and POKHARA in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, dated 31st October, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF EXAMINATION (See Annexure Para 8).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows:—

(i) Assistant Engineer (Civil) 30
(includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Engineer (Electrical) 15

(includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination 1982. Applications on forms other than the one prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1982 will not be entertained.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi 110011 on or before the 14th December, 1981 (28th December 1981) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division or J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 14th December, 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above, accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 14th December 1981.

Note—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) (Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rupees fifteen) (Rs. 4.00 (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

VINAY JHA,
Joint Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission, by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 6th March, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the error caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable [See para 4(iii) below].
- (iv) Attendance Sheet (attached with the Application form), duly filled.
- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.

NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED AT ITEM (iii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERN-

MENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATE IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE CERTIFICATE SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

4 Details of the documents mentioned in items (i) to (iii) of para 3 are given below :

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders, the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iii) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the

State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari_____ son*/daughter of_____ of village/town* _____ in District*/Division... of the State* /Union Territory of_____ belongs to the Caste*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*.

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri*/Shrimati/Kumari_____ and*/or his*/her family ordinarily reside(s) in village*/town_____ of District*/Division_____ of the State*/Union Territory of_____.

Signature
**Designation

(with seal of office)

Place State*/Union Territory.

Date.....

* Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application will be rejected.

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document.

6 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. Every application including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

10. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

11. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.